सुस्वागतम्

सभी को, शुभ संध्या।
मुझे, कोशिश करके, आप सब का ध्यान बटोरने दें।

मै आपका स्वागत करते हुए, सीधे आपको पहचान
पाठ्यक्रम के पहले सप्ताह में ले चलता हूँ।

मुझे अच्छा लगा आप को देख के
और मैं कहना चाहता हूँ कि मैं आपका शुक्रगुजार हूँ

आज रात आने के लिए।
मुझे पता है जीवन बहुत ही व्यस्त है।

मैं जानता हूँ आप सिर हिला रहे हैं।
हम एक चीज़ से दूसरी तक भागते नज़र आते हैं।

हमारे लिए जीवन बहुत व्यस्त है। मैं आपका शुक्रगुजार हूँ
आपके व्यस्त जीवन में से समय निकालकर आने के लिए

ताकी हम इकट्ठा हों और आशा करता हूँ
कि हमें पूछने और कुछ उत्तर पाने का मौका मिले

जीवन के उन बड़े प्रश्नों का जिनके बारे में
सोचने के लिए हमारे पास समय नहीं होता है।

अब, कई सालों से मैं इस तरह के
पाठ्यक्रम चला रहा हूँ।

हर एक पाठ्यक्रम को करते हुए मुझे अच्छा लगता है।

और उन समयों के दौरान में मैंने
यह जाना है कि लोग कई सारे कारणों को

लेकर इन पाठ्यक्रमों को करने आते हैं।
अब, मैं आपकी ओर देखता हूँ

और मैं नहीं जानता आज रात आप किस कारण से आए हैं,
पर मैंने विचार किया कि मैं प्रयत्न करके

कुछ जाने-माने कारणों का सुझाव दूँगा और देखें
की आप इन में से किसी को पहचानते हैं क्या।

कभी-कभी लोग दुनिया में कि कुछ चीज़ों को देखते हैं
जो उनके आस-पास में होती हैं।

© Lee McMunn, 2011

कभी-कभी वे सृजी हुई चीज़ों मे कुछ देखते हैं,
वे दुनिया को देखते हैं,

उसकी सुंदरता को देखते हैं, वे उसकी रचना को देखते हैं
और वे अपने-आप में सोचते हैं,

'जीवन में हमारे देखने और छूने से
अधिक ज़रूर कुछ होना चाहिए।'

आप कार चलाते हैं, आप कारों को देखते हैं,
और आप केवल...

अपने-आप में यह तथ्य नहीं निकालते, हैं क्या, की,
'हा! मैं आपको बताता हूँ की क्या हुआ।

कल रात हल के धातू कबाड़ के
गोदामों में कुछ हवाएँ चली,

और हे प्रेस्टो! हमको ये कार मिल गई।'
नहीं, आप ऐसा नहीं सोचते, नहीं ना?

वह उनकी बनावट के सभी मानचिन्हों को धारण किए हैं।
और हम अपनी दुनिया में जीते हैं, और आप सोचते हैं,

'हाँ, शायद कुछ तो है..
कोई, शायद, जो ज़िम्मेदार है

जो भी हम देखते और छूते है उसके लिए।'

शायद आप निश्चित रूप से यह नहीं जानते हों
की वह कौन और क्या है, लेकिन आप यहाँ आए है क्योंकि

आप देखना चाहते हैं की क्या मसीहियत के पास
इन प्रश्नों में से किसी के उत्तर हैं।

शायद ऐसा हो सकता है की आप यहाँ आए है
इसलिए नहीं कि आप ने कुछ देखा है,

पर इसलिए की आप के पास कुछ तो
नहीं है।

जीवन बहुत ही व्यस्त है, हम जीवन के उस दौड़ते पट्टे
पर हर समय दौड़ते हुए नज़र आते है,

परंतु शायद आप ने इस चक्की में से
कुछ समय निकाला है

© Lee McMunn, 2011

और कुछ समय सोचने के लिए निकाला है
उन में से कुछ बड़े प्रश्नों के बारे।

व्यक्तिगत पहचान के उन सारे प्रश्नों कोः
मैं कौन हूँ? मैं कहा जा रहा हूँ?

मैं कहाँ से आया हूँ? मेरा मूल्य क्या है?
क्या मैं अपने जीवन में ऐसा कुछ कर सकता हूँ

जो मेरे जीवन को महत्वपूर्ण बनाए?

मै जानता हूँ कि हम साधारणतया रुक कर इस बारे मे बात-
चीत नहीं करते, लेकिन शायद आज रात आप यहाँ आए हैं

क्योंकि आप कुछ उत्तर चाहते हैं। और शायद आप
सुनने आए हैं की मसीहियत के पास कहने के लिए क्या है।

कभी-कभी लोग आते है क्योंकि उन्होंने अपने मसीह मित्र
में कुछ देखा होता है।

मैं नहीं जानता यदि वह आप है, परंतु शायद
आप कुछ समय से किसी मसीही को निहार रहे हैं।

कुछ लुक-छिप कर, या पिछा करने वाले तरीके से नहीं,

पर आप उन्हें निहार रहें हैं क्योंकि उन्होंने
आपको बताया है कि वे यीशु के अनुयाई हैं।

आप सोचते हैं, 'अच्छा, मैं सोचता हूँ
कि क्या यह सत्य है।

मैं सोचता हूँ कि क्या इस मैं कोई तत्व है।' आपने कुछ
समय के लिए उनका निरिक्षण किया है,

और शायद आप सोचते होंगे कुछ तो है, इसलिए आप यहाँ
पता लगाने आए हैं की सच में वे क्या विश्वास करते हैं।

शायद आप यहाँ आज रात हैं क्योंकि
किसी मसीही मित्र ने आपको बुलाया।

शायद आप उन्हे लंबे समय तक नम्रतापूर्वक ना कहते रहें हैं,
लेकिन वे लगातार धीरजपूर्वक लगे रहे,

और उन्होने कहा, 'मैं चाहता हूँ की आप आएं
और कुछ बातों को जान भी लें।'

© Lee McMunn, 2011

या यह भी हो सकता है कि
आज रात आप मसीहि हो,

और शायद आपके पास अपने ही
कई तरह के प्रश्न हों।

आप जानते है की मसीही के पीछे चलने से सारे प्रश्न
नहीं निकल जाते,

और शायद आपके पास कुछ प्रश्न हैं जिनके उत्तर आप
पाना चाहते हैं।

या शायद, जैसे मै नज़रे दौड़ाऊं, कोई अन्य कारण है
जो पूरी तरह से अलग है।

तो मैं आपसे कहना चाहता हूँ, आज रात
जिस भी कारण से आप यहाँ है,

आपको कोई भी कारण इस कोर्स तक ले आया है,
मैं कहना चाहता हूँः आप सही जगह पर आए हैं।

मैं अपने हाथ उठाकर यह नहीं कहता
की हमारे पास सभी प्रश्नों के उत्तर है।

वह तो झूठ होगा। पता है, हमारे पास नहीं है।
पर मेरी यह धारणा है।

की जैसे ही हम यीशु की पहचान और कार्य के बारे में
अधिक से अधिक जानेंगे,

जैसे ही हम यीशु के बारे में अधिक जानेंगे की वह कौन था
और वह क्या करने के लिए आया,

तब हमारे कुछ प्रश्नों के कुछ उत्तरों
को हम पा सकेंगे।

तो मैं आशा करता हूँ की यह आपको अच्छा लग रहा है।

तो हम अगले कुछ सप्ताह के दौरान
जो करने जा रहे है

वह है यह निश्चित करना की हम इतिहास के सच्चे
यीशु के साथ जुड़ रहे हैं,

और न सिर्फ हमारी जानी-मानी संस्कृति
के यीशु के साथ,

© Lee McMunn, 2011

आप यीशु के बारे में सभी प्रकार कि जगहों से
बहुत सारी बातों को बटोर सकते है।

कभी-कभी हमारे मित्र जो कहते है उससे,
कभी-कभी हमारे परिवारजन जो कहते है उससे,

कभी-कभी हम उसे हमारी परंपरा की हवा मे से
चुन लेते हैं जिसमें हम साँस लेते हैं।

परंतु यह निश्चित करने की हम इतिहास के सच्चे
यीशु से जुड सकें

हम इस बात पर विचार करेंगे कि यह पुस्तक
यीशु के बारे में क्या कहती है यह।

आप इसे अपने टेबलों के ऊपर देखेंगे, और मेरे पास
आपके लिए इन पुस्तकों के बारे में कुछ अच्छी खबर है।

पहली यह की यह मुफ्त है। ये हमारी तरफ से
आपके लिए एक उपहार है।

और दूसरी बात जो आप इस
पुस्तक के बारे में तुरंत देखेंगे

वह यह है कि यह सचमुच काफी छोटी है। अब,
यह क्यों महत्वपूर्ण है?

इस पुस्तक को युहन्ना का सुसमाचार कहते हैं।
यह यीशु के एक करीबी शिष्य द्वारा लिखी गई थी,

एक आदमी जिसका नाम यूहन्ना था,
वह जो यीशु के साथ चला, यीशु के साथ बातचीत की,

शायद तीन या ऐसे ही कुछ सालों तक। तो यहाँ
एक ऐसा व्यक्ति है जो आँखों देखा गवाह था

यीशु ने जो कहा और किया उसका, और उसने क्या
किया है की, उसने इन बातों को लिख लिया

ताकि दो हजार साल बाद, हम यहाँ है,
आज रात इकट्ठा हुए

और हम यीशु की पहचान और मिशन
के बारे में के सत्य को जान सकें

© Lee McMunn, 2011

अब, शायद आप अपने-आप को ज्यादा
पढ़नेवाला न समझें।

शायद आज रात आप में से कुछ कहेंगे,
'हाँ, मुझे पुस्तकें पढ़ना पसंद है,

और मैं इसे जलदी से पढ़ना पसंद करूँगा और देखना चाहुंगा
कि वह क्या कहता है।' परंतु अगर आप ऐसे नहीं भी हो,

जो चीज़ मुझे इस पुस्तक के बारें में पसंद है वह है,
कि यह सचमुच छोटी है, है ना?

तो अगर आप अपने-आप को ज्यादा पढ़नेवाला
नहीं भी समझते,

मेरा यह मानना है की हम इसमे से जा सकते है, है ना?
थोड़ा थोड़ा करके

हर सप्ताह, हम यह पुस्तक यीशु के बारे में क्या
कहती है इससे जुड सकते है।

अब, अगर आप इसे घर पर करना चाहें, मैं सोचता
हूँ की यह करने का एक बेहतरीन तरीका होगा

कि इसके पन्ने पलटें, उन सब पर दृष्टि डालें,
एक पेन लें,

एक हायलाइटर भी लें,
स्वभाविक रूप से कुछ नोट्स बना लें, आपके प्रश्न लें,

जो बातें आप नहीं समझते
शायद आप उन्हें रेखांकित करना चाहें,

और वापस आने पर कुछ प्रश्न लाएँ,
क्योंकि मैं जानता हूँ आपके समूह अगुवे चाहेंगे

की आप कोई प्रश्न लाएँ और देखें की वे उन
प्रश्नों के उत्तरों को खोज सकें।

और फिर हम क्या करेंगे, एक बार जब हम हर
सप्ताह इकट्ठा होते हैं तब

मैं यूहन्ना रचित सुसमाचार के किसी एक भाग
को खोल कर उसे समझाने कि कोशिश करुँगा

© Lee McMunn, 2011

कि वहाँ क्या है। और जैसे ही हम यह करेंगे,
सप्ताह दर सप्ताह,

हम इतिहास के सच्चे यीशु के बारे में ज्यादा जानेंगे। वह
कौन है और वह क्या करने आया इसके बारे में।

अब, तीन प्रतिज्ञाएँ। हर सप्ताह क्या होगा
जब हम यह करेंगे?

मैं सोचता हूँ की हर सप्ताह हम उस परमेश्वर के
बारे में अधिक खोजेंगे जिसने हमें निर्माण किया है।

यह मेरा वादा हैः जैसे ही हम यीशु के बारे में अधिक
जानेंगे, और हम आज रात कुछ देर बाद इसे देखेंगे,

हम उस परमेश्वर के बारे में अधिक समझेंगे जिसने
हमें निर्माण किया है, जो मैं सोचता हूँ की बढ़िया है,

क्योंकि केवल कुछ चीज़ें है जो आप सत्य के साथ
जानना चाहेंगे, है ना?

कुछ चीज़ें जो आप निश्चितता के साथ जानना चाहेंगे।
और यह रहा मेरा वादाः

जैसे ही हम यीशु के बारे में अधिक जानेंगे, हम उस परमेश्वर
के बारे में ओर अधिक जानेंगे जिसने हमें निर्माण किया।

परंतु दूसरी बात, मैं सोचता हूँ की इसके
बारे में कुछ ज्यादा खोज सकेंगे कि हम कौन है।

मैं जानता हूँ की हम झूठी पहचानवाली और
और पहचान चुरानेवाली सम्पूर्ण संस्कृति में रहते हैं,

और लोग चिंतित हैः कि क्या उनकी पहचान
उनसे छीन ली जाएगी?

अच्छा, अगर केवल यह इतना आसान होता। आप
जानते हैं, मैं मेरा नाम जानता हूँ,

मै जानता हूँ मैं कहाँ रहता हूँ, मैं मेरी बाँक की जानकारी
जानता हूँ....यह सब आसान जानकारीयाँ है।

परंतु मैं अन्य तरह कि व्यक्तिगत पहचान के बारे में बात
कर रहा हूँ। वास्तव मे, हम कौन है?

© Lee McMunn, 2011

क्या मेरे जीवन को महत्वपूर्ण बनाता है? और यहाँ मेरा
वादा हैः जैसे ही हम यीशु के बारे में ज्यादा जानेंगे।

हम इसके बारे में ज्यादा खोज पाएँगे
कि हम कौन है ।

हम कहीं अधिक जानेंगे क्यों हम जैसा करते हैं वैसा
महसूस करते हैं, क्यों हम जैसा करते है वैसा आचरण

करते है के बारे में आप जानते है, क्यों जीवन ऐसे होता
है जैसे वह होता है। परंतु उससे भी बेहतर,

न सिर्फ हम पाएंगे कि हम कौन है, परंतु जैसे ही हम
यीशु के बारे में ज्यादा जानेंगे

तब हम खोज सकेंगे की हम क्या बन सकते है। देखिए,
यीशु कि खास बात क्या है,

वह सिर्फ जानकारी देने के व्यवसाय में नहीं है,
वह परिवर्तन के व्यवसाय में भी है

और वह हमें बताना चाहता है, हाँ,
हम इस क्षण कौन है

परंतु यह भी कि वह हमें कैसे दिन ब दिन बदल भी सकता है

और जो आखरी चीज़ मैं आपसे वादा करना चाहता हूँ जो
सप्ताह दर सप्ताह होगी

वह है हम हमारी संस्कृति के द्वारा पूछे गए कुछ जाने-पाने
प्रश्नों के कुछ उत्तर पाएँगे।

क्योंकि हमने क्या किया है,
हमने सात बड़े प्रश्नों को चुना है,

सात लोकप्रीय प्रश्न
जो आज लोगों के द्वारा पूछे जाते हैं

और हर एक सप्ताह हम उन प्रश्नों के उत्तर देने का
उद्देश्य रखना चाहते हैं।

तो ऐसा होगा की, हम यूहन्ना के सुसमाचार से थोड़ा
स्पष्ट करेंगे।

हमारे टेबलों पर हमें चर्चा करने का मौका मिलेगा,
और मैं फिर से खड़ा होउंगा

© Lee McMunn, 2011

और हमने जो यूहन्ना के सुसमाचार से पाया है उसका
हम उपयोग करेंगे

हमारी संस्कृति के लोकप्रीय प्रश्नों मे से
किसी एक का उत्तर देने के लिए।

अब, कुछ ही क्षणों में हम शुरुवात करेंगे, हम यूहन्ना के
सुसमाचार के सबसे पहिले पन्ने को देखने जा रहें हैं

परंतु ऐसा करने से पहले, क्यों ना हम अपने
टेबल पर कुछ क्षण बिताएँ,

और मेरे पास बातचीत करने के लिए आपके
अपने कुछ प्रश्न हैं। आपके लिए चार प्रश्न,

पहला प्रश्न सचमुच आसान हैः आपका नाम क्या हैं?
ज्यादातर लोगों यह समझ मे आता है।

आपका नाम क्या हैं?
दूसरा प्रश्नः आज रात आप यहाँ क्यों आए हैं?

तीसरा प्रश्नः आप किस तरह के परमेश्वर
पर विश्वास करते हैं?

और चौथा प्रश्न हैः अगर आपके पास एक बड़ा प्रश्न होता

जिसका आप आनेवाले कुछ सप्ताहों में जवाब चाहते,
तो वह क्या होता?

तो कुछ समय अपने टेबलों पर बिताएं और उन प्रश्नों के बारे
में बातचीत करें।

Identity – Who is God? Who are we?

© Lee McMunn, 2011

All rights reserved. Except as may be permitted by the Copyright Act, no part of this publication may be reproduced in any form or by any means without prior permission from the publisher.

Published by 10Publishing, a division of 10ofThose Limited.

All Hindi scripture quotations are taken from Hindi-O.V. © The Bible Society of India.

10Publishing, a division of 10ofthose.com
Unit 19 Common Bank Industrial Estate, Ackhurst Road, Chorley, PR7 1NH, England.
Email: info@10ofthose.com
Website: www.10ofthose.com